आप सभी को हमारे प्रभु यीशु मसीह के नाम में अनुग्रह और शांति हो।

आपका स्वागत है जब हम मिलकर शास्त्रों का अध्ययन करते हैं। यह याद रखना हमेशा अच्छा होता है कि हम उन्हीं सच्चाइयों पर दोबारा विचार करें जिन्हें हमने सीखा है, चाहे हमें वे विभिन्न परिस्थितियों में मिले हों।

बाइबिल में आधार:

1 थिस्सलुनीकियों 4:4‑5 (हिंदी)

“और तुम में से प्रत्येक पवित्रता और सम्मान के साथ अपना
शरीर जानने लगे,
न कामुक लालसा की अभिलाषा में, जैसे वे लोग जो परमेश्वर को नहीं जानते।”

आत्म‑नियंत्रण की पुकार को समझना

बाइबिल हमें स्पष्ट रूप से कहती है कि आत्म‑नियंत्रण अभ्यास करना चाहिए — अर्थात्, उन चीजों को करने से इंकार करना, भले ही हमारे पास शक्ति या अवसर क्यों न हो।

अपने शरीर को नियंत्रित करना आत्म‑संयम की तरह है। इसका मतलब है कि आप अपने शरीर को नेतृत्व दें, न कि ये कि आपके लोभ‑विलास, इच्छाएँ, या तरंगाएँ आपको नियंत्रित करें।

ऐसा एक मुख्य क्षेत्र जहाँ जिन्हें परमेश्वर का ज्ञान नहीं है वे गुमराह होते हैं, वह है यौन अनाचार की पापी इच्छाएँ, जिसका विशेष रूप से चौथा‑पाँचवाँ श्लोक उल्लेख करता है।

सच्ची विजय मसीह से शुरू होती है

भौतिक इच्छाओं (fleisch की कामनाएँ) को पार पाने के लिए, यह जरूरी है कि आप यीशु मसीह को अपने जीवन में बुलाएँ। जब आप उन पर विश्वास करते हैं और अपना जीवन उन्हें सौंप देते हैं, तो वह आपको अपना आत्मा (पवित्र आत्मा) देते हैं — जो आपको पाप पर विजय पाने की शक्ति देता है।

रोमियों 8:13 (हिंदी)

“क्योंकि यदि तुम शरीर के अनुसार जीवन जिउगे, तो मरोगे; यदि आत्मा द्वारा देह के कर्मों को मारोगे, तो जीवित रहोगे।”

पवित्र आत्मा आपको ज़बरदस्ती नहीं रोकेगी पाप करने से, बल्कि वह शक्ति और अनुग्रह देगा कि आप पापी प्रवृत्तियों की प्रभुता से बाहर निकल सकें। आज्ञापालन की जिम्मेदारी आपके हाथ में है — लेकिन शक्ति और सहारा वह प्रदान करता है।

भीतर का आध्यात्मिक युद्ध

याकूब 4:1 (हिंदी)

“तुम में लड़ाइयां और झगड़े कहां से आते हैं? क्या वे तुम्हारी अंग‑अंगों में लड़नेवाली इच्छाओं से नहीं आते?”

यह श्लोक यह स्पष्ट करता है कि कामुक इच्छाएँ और स्वार्थी इच्छाएँ हमारे ही अंदर युद्ध छेड़ती हैं। इसलिए, विश्वासियों को सचेत और सक्रिय होना चाहिए पाप का विरोध करने तथा पवित्रता में जीवन जीने में।

प्रलोभन के स्रोतों से अलग हो जाना

मसीह पर विश्वास करने के बाद अगला कदम है कि आप उन सभी चीजों को अपने जीवन से अलग करें जो कामुकता या पाप को पोषित करती हैं।

विपरीत शक्ति (शैतान) चाहती है कि आप केवल मौखिक रूप से पश्चाताप करें, पर असली बदलाव न करें। वह चाहता है कि आप यौन पाप के लिए माफी माँगे, परंतु फिर भी अश्लील सामग्री देखें, या ऐसी संगीत सुने जो अनाचार को बढ़ावा देती हो।

इसलिए, समाधान स्पष्ट है:

आपको यह निर्णय लेना है कि आप प्रलोभन के सभी स्रोतों से दूर रहें।

यदि वह टीवी शो या फिल्में हैं — उन्हें देखना बंद कर दें।

यदि कुछ मित्र हैं जो इस प्रकार के प्रलोभन में उलझाते हैं — उनसे दूरी बनाएं।

यदि ऑनलाइन समूह या पेज हैं — छोड़ दें।

जो भी आपकी देह को उत्तेजित करता है — उससे त्याग करें।

मत्ती 5:29 (हिंदी)

“यदि तेरी दाहिनी आंख तुझे पाप के प्रति बढ़ावे दे, तो उसे निकालकर अपने पास से फेंक दे; क्योंकि तेरे लिए यह बेहतर है
कि तेरे अंगों में से एक नाश हो जाए, न कि तेरा सारा शरीर
नर्क में फेंका जाए।”

यह सिर्फ रूपक नहीं है — यह पाप को गंभीरता से लेने की एक तीव्र पुकार है।

तुम देह पर विजय पा सकते हो

बाइबिल कहती है कि हमें अपने शरीर को नियंत्रित करना सीखना चाहिए क्योंकि यह संभव है। यदि यह असंभव होता, तो परमेश्वर हमसे

यह माँग न करता।

गलातियों 5:16 (हिंदी)

“पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।”

इसलिए जब बाइबिल हमें आत्म‑नियंत्रण की शिक्षा देती है, तो वह हमारा दंड नहीं करना चाहती, बल्कि हमें यह योग्य बनाना चाहती है कि हम ऐसे पवित्र और सम्मानजनक जीवन जियें जो परमेश्वर को प्रसन्न करें।

निष्कर्ष

आओ हम परमेश्वर की आज्ञा को माने कि हम अपने शरीर को госпалл करें, न कि वह हमें संचालित करे।

आओ हम पवित्र आत्मा पर भरोसा करें, प्रभुत्वहीनता से चले और प्रलोभन से बचने के लिए ज़रूरी कदम उठाएं।

गलातियों 5:16 (हिंदी)

“पर मैं कहता हूँ, आत्मा के अनुसार चलो, तो तुम शरीर की लालसा किसी रीति से पूरी न करोगे।”

मरानाथा!

इस अच्छी खबर को दूसरों से साझा करें। यदि आप चाहें तो ये शिक्षाएँ ई‑मेल या व्हाट्सएप के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं, संपर्क करें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp